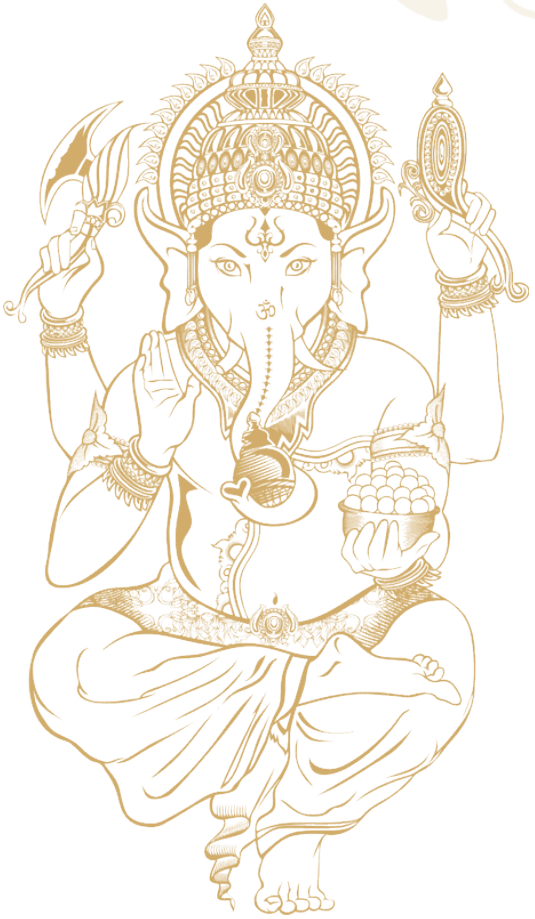

Deepak

08 May 1998

04:12 AM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121139904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/05/1998**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:12:00 घंटे**
इष्ट	56:30:11 घटी
स्थान	**Panipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:24:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:49:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:26 घंटे
साम्पातिक काल	18:52:09 घंटे
सूर्योदय	05:35:55 घंटे
सूर्यास्त	19:01:57 घंटे
दिनमान	13:26:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	23:19:55 मेष
लग्न के अंश	24:46:42 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	हर्षण
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:46:42	504:57:11	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			मेष	23:19:55	00:58:03	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	13:14:17	11:47:39	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	मेष	24:30:51	00:43:33	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध			मीन	27:02:01	01:07:42	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	27:00:33	00:10:56	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मीन	10:50:40	01:07:57	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि			मेष	02:34:13	00:07:17	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		सिंह	14:24:16	00:04:51	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	14:24:16	00:04:51	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:52:23	00:00:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	08:19:41	00:00:07	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:24:09	00:01:31	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			धनु	18:09:26	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:54

लग्न-चलित

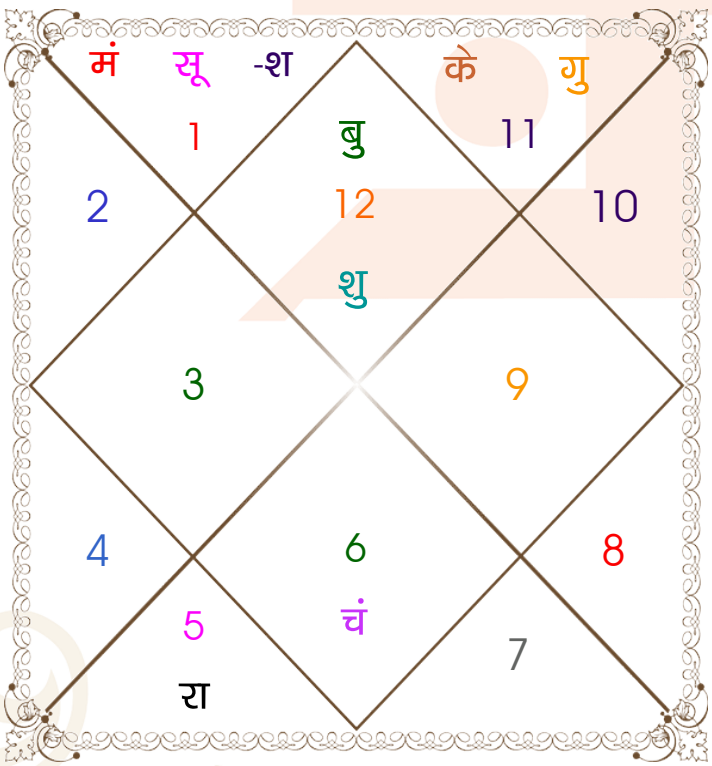

चन्द्र कुंडली

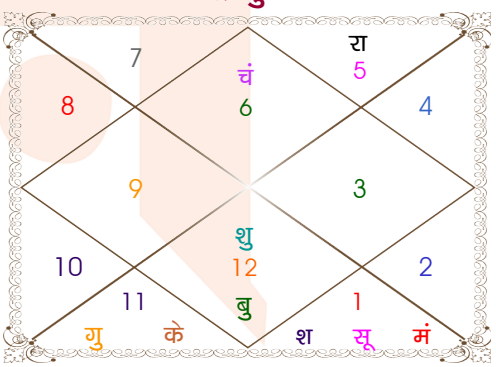

नवमांश कुंडली

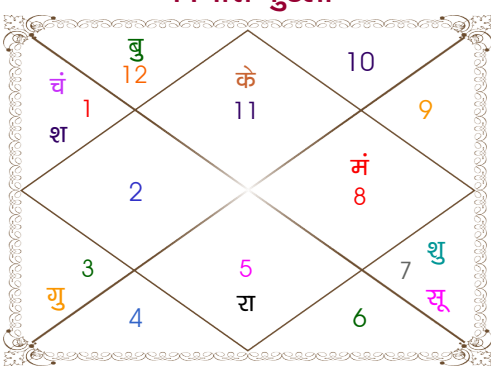

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 6 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/05/1998		02/12/2005		02/12/2012		02/12/2030		02/12/2046	
02/12/2005		02/12/2012		02/12/2030		02/12/2046		02/12/2065	
	00/00/0000	मंगल	30/04/2006	राहु	15/08/2015	गुरु	20/01/2033	शनि	05/12/2049
	08/05/1998	राहु	19/05/2007	गुरु	08/01/2018	शनि	03/08/2035	बुध	14/08/2052
राहु	02/11/1998	गुरु	24/04/2008	शनि	14/11/2020	बुध	08/11/2037	केतु	23/09/2053
गुरु	03/03/2000	शनि	02/06/2009	बुध	03/06/2023	केतु	15/10/2038	शुक्र	23/11/2056
शनि	02/10/2001	बुध	31/05/2010	केतु	21/06/2024	शुक्र	15/06/2041	सूर्य	05/11/2057
बुध	04/03/2003	केतु	27/10/2010	शुक्र	21/06/2027	सूर्य	03/04/2042	चंद्र	06/06/2059
केतु	03/10/2003	शुक्र	27/12/2011	सूर्य	15/05/2028	चंद्र	03/08/2043	मंगल	15/07/2060
शुक्र	02/06/2005	सूर्य	03/05/2012	चंद्र	14/11/2029	मंगल	09/07/2044	राहु	22/05/2063
सूर्य	02/12/2005	चंद्र	02/12/2012	मंगल	02/12/2030	राहु	02/12/2046	गुरु	02/12/2065

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/12/2065		02/12/2082		02/12/2089		03/12/2109		04/12/2115	
02/12/2082		02/12/2089		03/12/2109		04/12/2115		00/00/0000	
बुध	30/04/2068	केतु	01/05/2083	शुक्र	03/04/2093	सूर्य	23/03/2110	चंद्र	03/10/2116
केतु	27/04/2069	शुक्र	30/06/2084	सूर्य	03/04/2094	चंद्र	21/09/2110	मंगल	04/05/2117
शुक्र	26/02/2072	सूर्य	04/11/2084	चंद्र	03/12/2095	मंगल	27/01/2111	राहु	09/05/2118
सूर्य	01/01/2073	चंद्र	06/06/2085	मंगल	01/02/2097	राहु	22/12/2111		00/00/0000
चंद्र	03/06/2074	मंगल	02/11/2085	राहु	01/02/2100	गुरु	09/10/2112		00/00/0000
मंगल	31/05/2075	राहु	20/11/2086	गुरु	03/10/2102	शनि	21/09/2113		00/00/0000
राहु	17/12/2077	गुरु	27/10/2087	शनि	03/12/2105	बुध	29/07/2114		00/00/0000
गुरु	24/03/2080	शनि	05/12/2088	बुध	03/10/2108	केतु	03/12/2114		00/00/0000
शनि	02/12/2082	बुध	02/12/2089	केतु	03/12/2109	शुक्र	04/12/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 6 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।